विषयानुक्रमणिका -

	पृष्ठ संख्या -
भूमिका -	1-16
| प्रथम - खण्ड -|	
संवेदना, समकालीनता और 1950 तक के हिन्दी नाटक	22-224
प्रथम - संवेदना : स्वरूप-विश्लेषण	24-85
संवेदना : स्वरूप, परिभाषा और तात्पर्य	24
वैयक्तिक संवेदना	33
सामाजिक संवेदना	39
राजनैतिक संवेदना	48
साहित्यिक संवेदना	55
संवेदना : नयी-पुरानी	60
शाश्वत संवेदना और समकालीन संवेदना	67
औरभौर और नये संवेदना-संदर्भ	73
समकालीन संवेदना सैद्धान्तिक आधार	76
समकालीन संवेदना का उदय	79
द्वितीय - समकालीनता और आधुनिकता	86-143
समकालीनता और आधुनिकता : अन्तर्सम्बन्ध	87

पृष्ठ संख्या -

समकालीनता | 90

आधुनिकता | 113

आधुनिकता के संदर्भ में समकालीन संवेदना के विविध रूप | 129

तृतीय - हिन्दी-नाटक की विकास यात्रा (सन् 1950 ई० तक) | 144-196

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और पूर्व-सन्दर्भ | 145

संस्कृत का नाटक-साहित्य | 154

हिन्दी-नाटक का वास्तविक आरम्भ | 158

द्विवेदी युग | 161

प्रसाद युग | 164

प्रसादोत्तर युग | 169

चतुर्थ - परिवर्तित संवेदना के संदर्भ में 1950 ई० तक के हिन्दी नाटकों में नए नए जीवन-मूल्य | 197-224

जीवन - मूल्य: संकल्पना | 198

सन् 1950 ई० पूर्व हिन्दी - नाटक : नये जीवन - मूल्य | 203

(द्वितीय-खण्ड)

समकालीन संवेदना के सन्दर्भ में 1950 से 1975 तक के हिन्दी नाटकों का अध्ययन | 224-410

प्रस्तावना: | 227

चर्चित नाटक

	पृष्ठ संख्या -
1. अकबर, मीराबाई, मीलों की गाड़ी : भुवनेश्वर	233
2. कोणार्क : जगदीश चन्द्र माथुर	242
3. अन्धायुग : धर्मवीर भारती	245
4. अन्धा कुआँ : लक्ष्मीनारायण लाल	252
5. आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश	255
6. मादा कैक्टस : लक्ष्मीनारायण लाल	260
7. संशय की एक रात : नरेश मेहता	263
8. एक कण्ठ विषपायी : दुष्यन्त कुमार	266
9. लहरों के राजहंस : मोहन राकेश	271
10. शुतुरमुर्ग : ज्ञानदेव अग्निहोत्री	277
11. सूर्यमुख : लक्ष्मीनारायण लाल	281
12. आधे-अधूरे : मोहन राकेश	282
13. कलंकी : लक्ष्मीनारायण लाल	289
14. चिन्दियों की एक झालर : अमृतराय	292
15. पहला राजा : जगदीश चन्द्र माथुर	296
16. रात रानी : लक्ष्मीनारायण लाल	300
17. साँझी और घर : मोहन चोपड़ा	303
18. फंदी : शंकर शेष	308
19. मिस्टर अभिमन्यु : लक्ष्मीनारायण लाल	311
20. कर्फ्यू : लक्ष्मीनारायण लाल	316
21. देवयानी का कहना है : रमेश बक्षी	320
22. द्रौपदी : सुरेन्द्र वर्मा	323
23. अब्दुल्ला दीवाना : लक्ष्मीनारायण लाल	327
24. इतिहास चक्र और लौह [illegible] : दयाप्रकाश सिन्हा	330
25. उलझी आकृतियाँ : हमीदुल्ला	334
26. तिलचट्टा : मुद्राराक्षस	339
27. त्रिशंकु : बृजमोहन शाह	343

पृष्ठ-संख्या-

28. टूटते परिवेश: विष्णु प्रभाकर	347
29. बकरी: सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	351
30. मरजीवा: मुद्राराक्षस	354
31. सिंहासन खाली है: सुशीलकुमार सिंह	357
32. तीसरा हाथी: रमेश बक्षी	360
33. तेन्दुआ: मुद्राराक्षस	363
34. दरिन्दे: हमीदुल्ला	367
35. नरसिंह कथा: लक्ष्मीनारायण लाल	371
36. मन्दिर की चारपाई: किरण चन्द्र शर्मा	374
37. व्यक्तिगत: लक्ष्मीनारायण लाल	376
38. शम्बूक हत्या: नरेन्द्र कोहली	380
39. सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक: सुरेन्द्र वर्मा	382
पुनश्च: प्रस्तावक	385
1. आठवां सर्ग: सुरेन्द्र वर्मा	387
2. एक सत्य हरिश्चन्द्र: लक्ष्मीनाराण लाल	391
3. कथा एक कंस की: दयाप्रकाश सिन्हा	396
4. प्रजा ही रहने दो: गिरिराजकिशोर	399
5. पंच पुरुष: लक्ष्मीनारायण लाल	402
6. एक और द्रोणाचार्य: शंकर शेष	404
उपसंहार-	411-420

	पृष्ठ-संख्या-
सन्दर्भानुक्रमणिका-	421-433
आलोचनात्मक ग्रन्थ	422
नाटक सूची	427
पत्र-पत्रिकाएं	433
कोश	433

-:-:-:-:-

-:-:-

:-:

-